insurance companies evinced interest in entering the insurance market if and when it is opened up for the private sector operations.

Strike by Bank Employees

198. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether about 7,00,000 employees of the public and private sector banks had struck work in response to a two-day strike called on 26th and 27th September, 1995 to press their demand for revision of wages;

(b) whether this was the second strike by the bank employees in less than a month;

(c) if so, the estimated loss suffered as result thereof; and

(d) the efforts made by Government to settle the dispute of the bank employees amicably so that the economy of the country does not suffer?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBI PROSAD PAL): (a) A large number of employees in the banking industry struck work on 26th and 27th Sept., 1995 in support of their contention that officers in the banking industry had received a better deal.

(b) Yes, Sir.

(c) Having regard to the importance of the banking sector and the significant role that it plays in different sectors of the economy, the economy suffered considerably on account of the 2 day strike. It is, however, not possible to quantify the exact amount of loss suffered by the economy on account of the strike. According to the Indian Banks' Association, the banking industry suffered a loss of around 5 million man-hours on each day of the strike.

(d) Conciliation proceedings were undertaken by the concerned authorities including Chief Labour Commissioner (Central). Several meetings at different levels have also been held with the leaders of the concerned trade unions.

देश के ताप बिजली घर

199. **श्री सोमपाल** : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कुल कितने ताप बिजलीघर हैं और प्रत्येक की विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ख) इन ताप बिजली घरों द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान अपनी विद्युत उत्पादन क्षमता का कितना-कितना प्रतिशत उपयोग किया गया; और

(ग) सरकार ने इन बिजलीघरों में उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग के लिए क्या उपाय किए हैं तथा उनके क्या परिणाम निकले हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन) **चिमनभाई पटेल**): (क) और (ख) इस समय देश में 100 ताप विद्युत केन्द्र हैं जिनमें से 72 कोयला आधारित हैं। इन केन्द्रों में से प्रत्येक की क्षमता और कोयला आधारित केन्द्रों के सम्बन्ध में पिछले 3 वर्षों के दौरान संयंत्र भार अनुपात की दृष्टि से % क्षमता समुपयोजना का ब्यौरा विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए) गैस / ऑयल आधारित केन्द्र अनिवार्यतः व्यस्ततम भार परिचालन के लिए हैं और सामान्यतया उनका पीएलएफ परिकल्पित नहीं किया जाता है।

(ग) अधिष्ठापित क्षमता का इष्टतम समुपयोजन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में, पुरानी यूनिटों के नवीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्यक्रम, संयंत्रों के बेहतर प्रचालन और अनुरक्षण में विद्युत इंजीनियर कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, कोयला, रेलवे और पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालयों के साथ सम्पर्क रखना ताकि अपेक्षित मात्रा और गुणवत्ता के ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और पारेषण तथा वितरण प्रणालियों को मजबूत करना इत्यादि शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 1994-95 के दौरान अखिल भारतीय औसत संयंत्र भार अनुपात 60% है।

विवरण

कोयला आधारित ताप विद्युत केन्द्र, उनकी क्षमताएं तथा वर्ष 1992-93 से 1994-95 के दौरान संयंत्र भार अनुपात

केन्द्र	मोटर्ड क्षमता (मे०वा०)	वर्ष के दौरान (%) पीएलएफ		
		1992-93	1993-94	1994-95
बदरपुर	705	74.10	71.90	23.00
इन्द्रप्रस्त केन्द्र	277.5	57.10	47.20	45.90
एजघाट	135	47.60	52.50	70.40
फरीदाबाद	165	61.90	51.10	54.30
पानीपत	650	46.90	37.50	42.30
भटिण्डा	440	59.70	70.70	63.30
रोपड़	1260	57.70	60.60	54.40
कोटा	850	77.00	81.10	75.60
ओबरा	1482	55.60	51.00	33.90
हरदुआगंज-बी	425	26.90	29.60	22.30
पनकी	274	26.80	34.60	29.20
परिछा	220	38.00	39.00	16.70
अनपारा	1630	74.50	75.80	70.50
टाण्डा	330	31.60	30.60	25.60
सिंगरौली	2000	75.20	81.50	81.60
रिहन्द	1000	73.90	78.00	73.90
ऊंचाहार	420	54.90	68.80	52.30
राष्ट्रीय राजधानी	840	—	—	60.70
धुवरण	534	58.40	50.60	58.40
उकई	850	58.20	56.00	51.30
गांधीनगर	660	69.50	68.10	69.30
वानाकबोरी	1260	62.90	64.80	64.90
सिक्का	240	61.50	49.70	62.50
ए०ई० कम्पनी	179	35.30	38.40	20.22
साबरमती	330	66.20	70.80	75.60
कच्छ लिग्नाइट	140	45.40	54.50	39.10
सतपुरा	1142.5	46.40	50.70	58.00
कोरबा ईस्ट	600	45.50	49.80	54.30
अमरकंटक	290	48.70	53.60	56.20
कोरबा वैस्ट	840	55.70	67.20	60.60
संजय गांधी	420	—	—	65.90
कोरबा एसटीपीएस	2100	70.30	77.80	76.00
विन्ध्याचल एसटीपीएस	1260	57.00	75.20	78.30

केन्द्र	मोटर्ड क्षमता (मे०वा०)	वर्ष के दौरान (%) पीएलएफ		
		1992-93	1993-94	1994-95
नासिक	910	62.70	63.40	64.70
कोराडी	1080	64.30	66.10	60.00
खापरखेड़ा-2	420	63.10	77.30	83.90
पारस	58	50.30	51.40	39.00
भुसावल	478	71.20	60.80	68.90
पारली	690	36.40	52.50	57.90
चन्द्रपुर	1840	62.40	67.30	55.00
ट्राम्बे	1150	54.30	48.80	60.60
कोठागुंडम	670	53.40	55.40	52.10
रामगुण्डम-बी	62.5	39.80	65.90	64.50
नैल्लोर	30	39.60	42.60	35.40
विजयवाड़ा	1260	76.90	80.30	84.20
रामागुण्डम एसटीपीएस	2100	67.30	79.30	78.80
रायचुर	840	49.40	66.90	64.90
नैवेली	20.65	55.10	46.50	60.40
नैवेली माइनकट		57.20	59.50	60.40
एन्नौर	450	52.10	47.10	54.60
तूतीकोरिन	1050	76.00	73.80	68.30
मैत्तूर	840	64.20	76.40	76.00
पतरातू	770	28.00	27.50	20.30
बरौनी	310	21.40	18.40	25.80
मुजफ्फरपुर	220	20.50	21.90	18.20
चन्द्रपुर	750	29.40	34.40	26.00
दुर्गापुर	350	27.70	53.60	60.20
बोकारो-ए	190	41.40	26.30	—
बोकारो-बी	630	37.20	54.90	—
बोकारो जोड़	2010	—	—	40.40
तलचेर	460	34.50	35.60	29.00
सन्थालडीह	480	35.50	31.80	31.30
बन्देल	530	27.20	48.30	50.20
कोलाघाट	1260	58.10	68.20	60.40
डीपीएल	390	28.70	26.30	26.60
फरक्का एसटीपीएस	1600	66.90	64.60	81.50
न्यू कौसीपुर	130	56.10	60.10	62.20
मुलाजौर	60	36.60	—	—
दक्षिणी रिप्लेस	135	70.40	81.50	84.40
टीटागढ़	240	75.40	71.50	78.00
नामरूप	30	30.50	23.80	32.00
चन्द्रपुर	60	26.30	20.00	29.90
बोंगाईगांव	240	21.70	14.80	20.30

2. गैस एवं तेल आधारित ताप विद्युत केन्द्र एवं उनकी क्षमता

केन्द्र	क्षमता (मे०वा०)
1	2
1. गैस फायर्ड	
अन्ता	413
औरैया	652
दादरी	817
कवास	644
गंधार	640
कठलगुड़ी	134
डेरू	231
रामगढ़	3
धुवरण	54
उत्राण	144
उरण	672
विजेश्वरम	99
बेसिन ब्रिज	120
नाम रूप	81.5
बारामुरा	80
रोखिया	16.5
वातवा	8
जीआईपीसीएल	99
ट्राम्बे	145
2. आयल फायर्ड	
पम्पोर	175
नारीमानन	103
मैथोन	90
पं० बंगाल	60
कस्बा	40
चन्द्रपुर (असम)	141
3. मल्टी-फ्यूल फायर्ड	
धुवरण (1-4)	253
ट्राम्बे	150

Drug Trafficking

200. SHRI T. VENKATRAM REDDY:
SHRI G. PRATHAPA REDDY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether a large amount of money is being generated due to drug trafficking, posing threat to finternal security;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps contemplated by Government to prevent it?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) and (b) Drug trafficking generates lucrative profits, which are often used for nefarious activities.

(c) Instructions have been issued to all the enforcement agencies to maintain the utmost vigil and step up enforcement efforts under the stringent provisions contained in NDPS Act. Training is being imparted to officers to improve their effectiveness. Vehicles and communication equipments have been provided. A part of Indo-Pak border has been fenced. BSF and Coast guards, who are deployed on land and coastal borders have been vested with the powers under the Customs Act to interdict narcotic drugs on the border in addition to the Central and State Government enforcement agencies empowered under the NDPS Act.

Action Plan for Improvement of Tourism Sector

201. SHRI MOHAN BABU: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India have received 19.09 lakhs foreign tourists during 1994-95 thus earning foreign exchange worth Rs. 7366 crores;

(b) if so, whether in view of the liberalisation of the industrial policy more and more tourists are visiting India;